

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कामठी

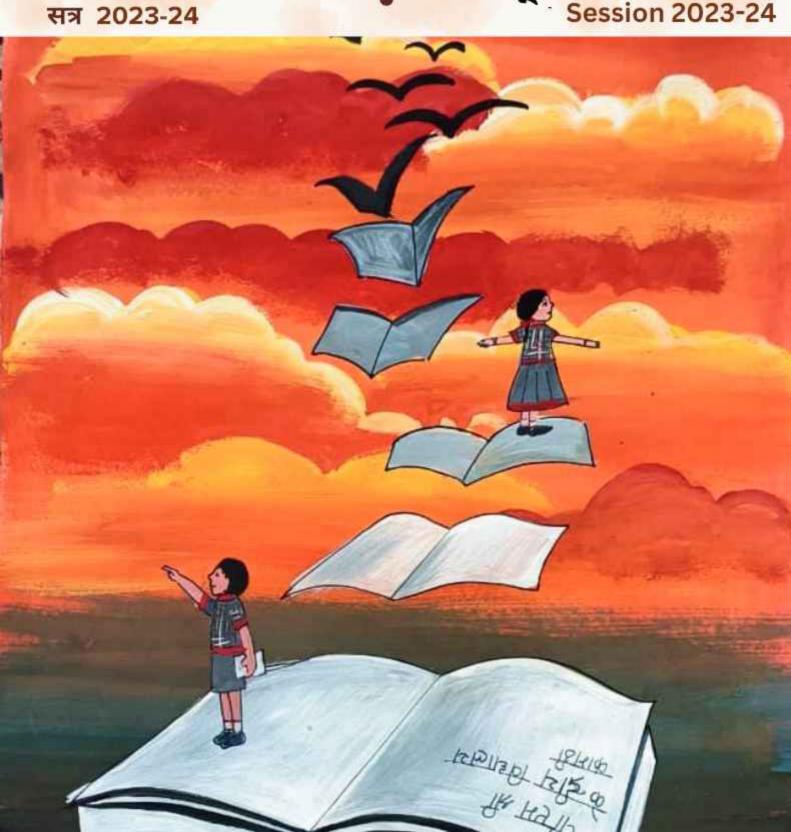
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA KAMPTEE







Session 2023-24





सोना सेठ उपायुक्त Sona Seth Deputy Commissioner



केन्द्रीय विद्यालय संगठन KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

संभागीय कार्यालय, आईआई.टी. केम्पस., पवई. मुम्बई 400076-Regional Office: IIT Campus, Powal, Mumbai-400076. दूरभाष/Tel. (022) 2572 8060/2328/6763/1614/0717 Email: kysmumbairegion@gmail.com WEBSTE: romumbai.kys.gov.in



संदेश

यह अत्यंत हर्ष और गौरव की बात है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, कामठी सत्र 2023-24 के लिए अपनी विद्यालय पत्रिका 'उड़ान' का प्रकाशन करने जा रहा है |

केंद्रीय विद्यालय संगठन विद्यार्थियों की प्रतिभा, रूचि एवं मनोवृत्ति के अनुरूप उन्हें सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान कर उनके सर्वंगीण विकास का दायित्व पिछले 60 वर्षों से बखूबी निभाता आया है | संगठन के हीरक जयंती वर्ष में इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थी, शिक्षक तथा कर्मचारीगण को उनके मौलिक विचार, नवाचार तथा मन के भाव साझा करने का एक सशक्त एवं प्रभावी मंच प्राप्त हुआ है | यह पत्रिका विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के रचनात्मक कौशल और सृजनशीलता को मूर्त रूप देने का भी अवसर प्रदान करती है |

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, कामठी की विद्यालय पत्रिका 'उड़ान' के प्रकाशन के अवसर पर इस प्रक्रिया से जुड़े सभी विद्यार्थी, शैक्षिक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों, संपादक मंडल एवं प्राचार्य को मैं हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ और आशा करती हूँ कि यह पत्रिका सुरुचिपूर्ण मनोरंजन के साथ ही वैचारिक अभिप्रेरणा भी प्रदान करेगी।

शुभकामनाओं सहित ,

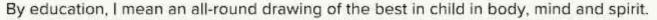
सोना सेठ) (सोना सेठ) उपायुक्त





Chairman's Message





- Mahatma Gandhi

I would like to congratulate Kendriya Vidyalaya, Kamptee for publishing Vidyalaya Patrika for the session 2023-24 The Kendriya Vidyalaya has been imparting quality education to the students to equip them in their pursuit for excellent in important areas of knowledge, personality development, skills human values. Resultant the KV has been incorporated in PM SHRI Schools and renamed as PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA, KAMPTEE.

As Chairman of the School, I salute the commitment of the teachers and staff towards the holistic development of young minds. I assure the parents, children and the entire family of KV that we will witness multi-faceted development in the forthcoming academic year. The unstinted support of all members will be extended to further enhance the quality of education and nurture future ready. Global Citizens who will make outstanding contribution to the society. We are aware of the challenges that lie ahead and will leave no stone unturned to further enrich the rich legacy of this esteemed institution.

I extend my best wishes to the Principal, staff and students and am sanguine that you will all work diligently towards our quest for excellence in all fields.

JAI HIND!

Brigadier K Anand Chairman

Vidyalaya Management Committee PM SHRI Kendriya Vidyalaya, Kamptee





Principal's Message





Dear Students, Parents, and Faculty,

I am delighted to welcome you to another exciting edition of our school magazine, a testament to the creativity, talent, and dedication that define our school community. In these pages, you will discover a kaleidoscope of achievements, both academic and extracurricular, reflecting the hard work and passion of our students. From academic triumphs to artistic masterpieces, from sporting victories to community service initiatives, our students continue to shine brightly. This year, we faced unique challenges, adapting to a changing world and finding innovative ways to connect and learn. It is in times of adversity that we truly discover our strength and resilience. The stories you will find within these pages are a testament to the unwavering spirit of our school. I want to express my heartfelt gratitude to our dedicated teachers, supportive parents and of course, our brilliant students. Your unwavering commitment to excellence is the foundation of our school success. As we turn the pages of this magazine, let us celebrate not only the accomplishments but also the growth, learning, and friendships that have blossomed within these walls. May it serve as a reminder of the remarkable journey we are all part of, and the bright future that awaits us.

Thank you for being an integral part of our school family. I look forward to witnessing the continued growth and success of each and every one of you.

Warm regards,

Sh. J. K. Ramteke Principal PM SHRI Kendriya Vidyalaya Kamptee





From Editor's Pen ..





"The wise man doesn't lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own."

- Lao Tzu.

It gives us an immense pleasure in bringing out the Vidyalaya Patrika for the year 2023-24. The Patrika provides a platform to the students ignited with creative skills to showcase their thoughts, innovative ideas, creativity and literary skill. The magazine has a whole range of creations like short stories, riddles, articles, poems, and much more. The contents of the magazine reflect the endeavours, calibre and dedication of the students and the teachers. The members of the Editorial Board have put in sincere efforts to choose the best creative works of the students. We hope that you will appreciate our efforts in bringing out the Vidyalaya Patrika.

We would like to thank our worthy Principal, Mr. J. K. Ramteke for his valuable guidance. We thank the Vice Principal, Headmistress, members of Editorial Board, teachers and students for their enthusiastic support for this venture.

Wishing you happy reading!

Mr. Mangesh S. Gawai
PGT English
Editor







CHIEF PATRON

Sona Seth
Deputy commissioner
Kendriya Vidyalaya Sangathan
Mumbai Region

PATRON

Brigadier K Anand
Chairman
Vidyalaya Management Committee
PM SHRI Kendriya Vidyalaya Kamptee

EDITORIAL BOARD

Members:

English Department

Mr. Mangesh S. Gawai, PGT English Ms. Priti Wankhede, TGT English Mr. Amit A. Bagde, TGT English Mrs. Seema Ashtankar, TGT English

Hindi Department

Ms. Radha Devi, PGT Hindi Mrs. Vaidehi Degwekar, TGT Hindi Mrs. Priti Chandrikapure, TGT Hindi Ms. Kalpana Katre, TGT Hindi

Sanskrit Department

Mrs. Pratibha Waghmare, TGT Sanskrit

Art Department:

Mrs. Vandana P., TGT AE

Technical Support:

Mr Mastu Ram, PRT Mr Anusheen Nema, PRT Mr Aniruddha Patil, PRT







Achievements in Academics

Class XII Science Topper 2022-23

Bhuvashree Podali 94.4%

Class X Topper 2022-23

Amit Kumar

95.4%



- sopoletes

Cash Award Winner

The students who secured position in the top 1.5 % of KVS students in AISSCE 2023 conducted by CBSE and received cash price of rupees 10,000 from KVS Headquarters:

soffice.





Cash Award Winner

The students who secured position in the top 1.5 % of KVS students in AISSE 2023 conducted by CBSE and received cash price of rupees 10,000 from KVS Headquarters:

Amit Kumar 95.4%

--

Achievements

Inter-school competitions held at APS Kamptee



1st prize in
Gondhal Dance competition



1st prize in Jogwa Dance Competition



2nd prize in Koli Dance competition





1st prize in Fort Making Competition

Hindi Pakhwada











Flag Day Celebration











Bal Mela











Bhasha Sangam











KVS Foundation Day Celebration











Grandparents' Day Celebration











Morning Assembly











International Peace Day Celebration











31

International years of Millets Celebration











SPIC MACAY











शिक्षा का बदलता स्वरूप

विद्यालय में शिक्षा का उद्देश्य लोगों को उनके प्रारंभिक वर्षों में ज्ञान प्रदान करना और मूल्यों को विकसित करना है, जो उन्हें जीवन में विकल्प बनाने में मदद करेगा। अध्ययन की आदत, सीखने का प्यार और सच्चाई की खोज को लगातार प्रोत्साहित किया गया है। गुणवत्ता की शिक्षा को अब विलक्षण नहीं माना जाता है, कागज-पेंसिल परीक्षण द्वारा मापी गई अंतर्निहित गुणवत्ता। हम विद्यालय में एक प्रयोगशाला काम, परियोजनाओं और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के हिस्से पर पहले हाथ के अनुभव(hands on experience) को शामिल करते हुए, सीखने के लिए आवेदन आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर (application based scientific approach) प्रयास करते हैं। हमें पता चलता है कि प्रत्येक बच्चे में एक अलग क्षमता है और हम दुनिया को तलाशने और जवाब खोजने में बच्चे की सहायता करने के लिए सूत्रधार हैं। हम अपने युवा शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार के साधनों के माध्यम से निरंतर और व्यापक रूप से आंकते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

मैंने बच्चों में एक व्यापक ज्ञान का आधार और एक जीवंत गतिशीलता देखी है, जिसे सिर्फ एक पूर्ण खिल में (full bloom) ले जाने के लिए शिक्षकों और माता-पिता से समर्थन की आवश्यकता होती है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन माता-पिता की सिक्रय भागीदारी की सराहना करता हूं, जो नियमित रूप से आयोजित इंटरेक्टिव सत्र में रचनात्मक सुझाव देते हैं और गुणवत्ता आश्वासन (qualitative assurance) की प्रक्रिया में भागीदार बनने के लिए उन्हें आमंत्रित करते हैं।

अच्छी आदतें और चरित्र के विकास के लिए स्कूल के वर्ष महत्वपूर्ण हैं, बच्चों में संस्कार पैदा करना। हम ईमानदारी और अखंडता, धर्मिनरपेक्षता, बड़ों के प्रित सम्मान, आत्म अनुशासन के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रितबद्ध हैं। उसी समय, हम लगातार जीवन कौशल(life skills) विकसित करने और बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं - तनाव से निपटने के लिए, टीम के खिलाड़ी होने के लिए, सहानुभूति रखने के लिए, संवाद करने की क्षमता। हमारा उद्देश्य बच्चों को समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करने के लिए विद्यालय का अनुकूल वातावरण रखने के लिए है। बच्चों को स्कूल आने और उसकी सभी गितविधियों में भाग लेने के लिए तरसना चाहिए। विद्यालय हमेशा एक जगह बनने का प्रयास करेगा, जहां मन भय के बिना सिर को ऊंचा रखा जाता है (टैगोर)



व्यक्तिगत संवर्धन एक सामाजिक जिम्मेदारी की प्राप्ति के लिए कहता है, जो अंततः एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में परिणत होता है। चूंकि राष्ट्र-निर्माण अंतरराष्ट्रीय शांति के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए हम बच्चों में सहिष्णुता और

सहयोग के हमारे पारंपरिक मूल्यों पर आधारित हैं। इसलिए शिक्षा आगे एक निरंतर रचनात्मक और सकारात्मक मार्च के लिए बुलाती है।

21वीं सदी की दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षकों के लिए बदलती विश्व व्यवस्था का सामना करना और अपने छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना एक चुनौती है।

मार्गरेट मीड ने ठीक ही कहा है कि बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, न कि क्या सोचना है।

हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हमारे लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते!

धन्यवाद ।

यतेन्द्र कुमार उप-प्राचार्य पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कामठी







भष्टाचार

एक दो एक दो भष्टाचार को फेक दो

जब से आया ये दुनिया मे भष्टाचार तब से लोग कह रह खूब दुराचार।

इसकी छाया बन रही है सर्वव्यापी पर परमात्मा के प्रति यह है पापी।



है नेता भष्टाचारी, तो है दुनिया दुराचारी हे भगवान! पकड़ो बैंया और पार करो नैया।

लोगो! भष्टाचार को मारो ऐसे गोले ताकी हर बच्चा सिर्फ यही बोले

कि•••• एक दो एक दो भष्टाचार को फेक दो।



नामःभार्गव कुंभारे कक्षाः६-अ



देखो बदल रहा है भारत..

नहीं नहीं उपलब्धियां हासिल कर रहा है भारत...

चांद पर जा पहुंचा है भारत..

विश्व मे नाम चमका रहा है भारत...

देखो बदल रहा है भारत.....

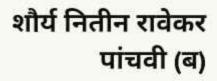
हमें भारतीय होने का है गर्व, विश्व पटल पर चमक रहा है भारत....

चांद ही नही सूरज पर जा पहुचेंगा भारत.....

खुशहाल हो रहे किसान इस बदलते भारत के.....

गांव गांव मे समृद्धी इस भारत में....

नया उजाला लेकर आ रहा भारत,देखो बदल रहा है भारत......







मेरी माँ

मेरी माँ प्यारी है,मेरी आँखों का तारा है।

मेरी माँ न्यारी वो इस पृथ्वी पर सब से प्यारी हैं

मेरी माँ,मेरी माँ सब से न्यारी मेरी माँ।

सारा दिन काम करती फिर वह थक जाती हैं।

फिर भी वह पढ़ाई मेरी लेती हैं।

इस पृथ्वी पर वह सवष्ठ है।

इसलिए तो वह मेरी माँ है।

प्यारी माँ, न्यारी माँ इस पृथ्वी पर सब से प्यारी माँ।

री माँ।

सानिध्य संजय सुर्यवंशी। छठी टैगोर सदन।

मेरे प्यारे, प्यारे पापा

मेरे प्यारे प्यारे पापा, मेरे दिल मे रहते पापा, मेरी छोटी सी खुशी के लिए सब कुछ सेह जाते पापा, पूरी करते हर मेरी इच्छा,

उनके जैसा नहीं कोई अच्छा, मंमी मेरी जब भी डाटे, मूझे दुलारते मेरे पापा, मेरे प्यारे प्यारे पापा!



वेणु_बागड़े ६ अ

बेटी

मैं चाहता हूँ..... कि बेटी बन जाऊँ क्योंकि उनके बिना मेहंदी, रोली कंगन का श्रृंगार नहीं होता। रक्षा बंधन, भाईदूज का त्योहार नहीं होता। जिस घर में बेटियों का अवतार नहीं होता। जन्म देने के लिए माँ चाहिए, राखी बांधने के लिए बहन चाहिए जिद पूरी करने के लिए मौसी चाहिए खीर खिलने के लिए मामी चाहिए कहानी सुनाने के लिए दादी चाहिए और साथ निभाने के लिए पत्नी चाहिए, पर यह सब रिश्ते निभाने के लिए बेटी तो जिंदा रहनी चाहिए।



- आयुषी शेंडे आठवी सी

प्रकृति

वातावरण जब साफ़ हो डर की न कोई बात हो जल जीवन का अनमोल रतन हम चलो बचाये करे जतन प्रदुषण की हो रोकथाम कोई भी चाहे करे काम

स्वच्छ - सूंदर साफ़ रहना स्वस्थ जीवन का है गहना ध्वनि प्रदुषण मैल नया है ये पेड़ हमारे साथी है इनके बिना दुनिया आधी है आज नया एक वादा हो साफ़ हवा ज्यादा हो अपने मन में यह बात ठान स्वच्छ हवा जल हैं वरदान



- प्रयाशी चंद्रिकापुर आठवी सी

जीत पक्की है

कुछ करना है, तो डटकर चल। थोड़ा दुनियां से हटकर चल। लक पर तो सभी चल लेते है, कभी इतिहास को पलटकर चल बिना काम के मुकाम कैसा?

बिना मेहनत के, दाम कैसा ?

जब तक ना हाँसिल हो मंज़िल तो राह में, आराम कैसा ? अर्जुन सा, निशाना रख, मन में, ना कोई बहाना रख। जो लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रख। सोच मत, साकार कर, अपने कर्मो से प्यार कर।

मिलेंगा तेरी मेहनत का फल, किसी और का ना इंतज़ार कर। जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं। जो करते रहे इंतज़ार उनकी जिंदगी में आज भी झमेले है!

सोच बदलो, जिंदगी बदलो

संकल्प के साथ विकल्प अपने आप मिल जाएंगे

By Yashshree wasnik 11 th B





माँ है मेरी कितनी प्यारी
माँ है मेरी भोली-भाली
रोज सवेरे मुझे जगाती
रोज रात को मुझे सुलाती
ख़िला-पिलाकर मुझे सुलती
गलत काम पर दंडित करती।
माँ है मेरी कितनी प्यारी
माँ है मेरी भोली-भाली,



अश्वजिवीका मेश्राम

क्या लिखूँ

स्कूल की मैग्जीन छप रही, मिला मुझे समाचार सोचा, मैं भी लिख डालूँ आर्टिकल दो-चार। क्या लिखूँ, कैसे लिखूँ ? समझ नहीं कुछ आता यूँ ही बैठे- बैठे सारा समय गुजर है जाता। कविता लिखूँ, कहानी लिखूँ कोई लेख? इसी सोच में बैठ रहा. सिर घुटनों पर टेक। सोचा बहुत ,पर लिखने को कोई कथावस्तु न मिली। इसी सोच-विचार में दिन रात में बदल गया। सोचा लिख डालूँ कोई कविता या गीत. पर हाय, लिखूँ कैसे? मैं ठहरा बेवकूफ। इन्ही विचारों में खोकर तुकबंदी मैंने कर डाली

टूटे-फूटे शब्दों में,

सारी रचना मैंने लिख डाली।





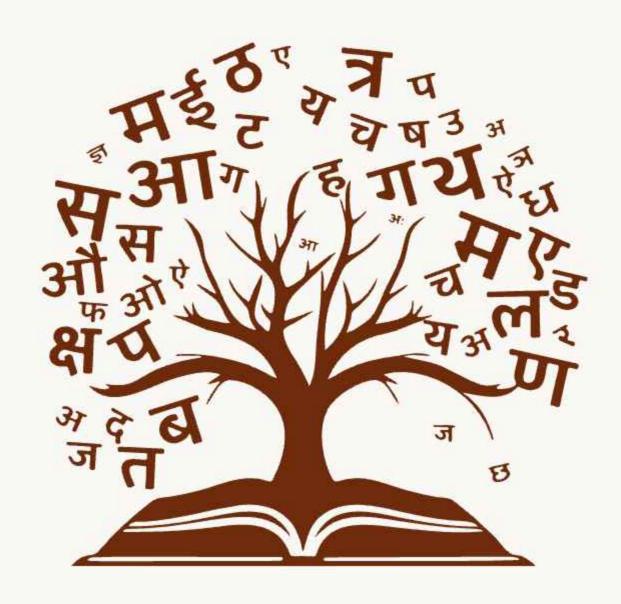
वंदना कुशवाहा कक्षा 8 वी ब

राष्ट्रभाषा हिंदी

पूरी दुनिया में अनेकों भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन भारत जैसे विशाल देश के अंदर भी भाषाओं की कमी नहीं है। शुरुआत से ही भारत में विभिन्न संस्कृतियों के फलने फुलने की वजह से अनेक भाषाओं के उत्पन्न होने की संभावना भी ज्यादा हो गई और इसीलिए यहां पर अनिगनत भाषाएं बोली जाती हैं। एक ही राज्य के विभिन्न जिलों में भी भाषाओं में अंतर देखा जाता है। यह वहां के लोगों के संस्कृति और सभ्यता के आधार पर भी निर्भर करती है। हिंदी भाषा के इन्हीं सभी महत्व के बारे में हम यहां पर चर्चा करें। भारत के संविधान में हिंदी भाषा को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया है और इसीलिए यहां की राष्ट्रभाषा के रूप में इसकी पहचान भी है। यह भाषा देवनागरी लिपि में है और इसके अधिकतर शब्द संस्कृत से लिए गए हैं एवं इसकी व्याकरण भी संस्कृत से ही प्रेरित है। पूरी दुनिया में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन हिंदी चौथे स्थान पर बोली जाने वाली भाषा है। जब भारत को आजादी मिली उस वक्त यहां पर कोई एक भाषा को एक खास दर्जा नहीं मिला हुआ था इसीलिए यह निर्णय लिया गया कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया जाए। यह भाषा बोलने और समझने में काफी आसान है इसीलिए आज 90 करोड़ लोग आसानी से इसे समझ लेते हैं। इसके अलावा इस भाषा को बोलने वाले को भी संख्या कम नहीं है बल्कि 50 करोड़ से ज्यादा लोग इस भाषा को बोल लेते हैं।

हिंदी भाषा को देशव्यापी बनाने के लिए इसका उपयोग सरकारी कार्यालयों इत्यादि के लिए किया जाना अनिवार्य है और इसके अलावा स्कूलों एवं कॉलेजों में भी इस भाषा को पढ़ाई जाने के लिए जोर दिया गया। यह निर्णय लिया गया कि 1965 तक सरकारी कामकाज के लिए अनुच्छेद 344 और अनुच्छेद 356 विवरण के गए निर्देशों के अनुसार इसका इस्तेमाल होना है। इसके अलावा राज्य सरकारें अपनी पसंद के अनुसार भाषा का प्रयोग कर सकते हैं इसके लिए उन्हें स्वतंत्रता दी गई। 1963 ईस्वी में राजभाषा अधिनियम के अं<mark>तर्गत या</mark> पारित किया गया कि अंग्रेजी भाषा को अनिश्चितकाल के लिए उपयोग कर सकते हैं। भारत के निम्नलिखित राज्यों में हिंदी भाषा को राजभाषा के रूप में उपयोग किया जाता है बिहार झारखंड उत्तर प्रदेश राजस्थान दिल्ली हरियाणा हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़। जाने वाले लोगों के लिए रोजगार के काफी अवसर उत्पन्न हुए हैं। केंद्र सरकार के अलावा कई राज्य सरकारें हिंदी भाषा में ही अनिवार्य रूप से काम करती हैं। हिंदी भाषी राज्य हैं उनमें प्रत्येक वर्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। रोजगार के रूप में शिक्षक प्रोफेसर हिंदी अनुवादक हिंदी सहायक इत्यादि पद मिलते हैं। इसके अलावा आज नहीं जी टीवी और रेडियो चैनल की भी शुरुआत हुई है जो निरंतर 24 घंटे काम करते हैं। हिंदी मीडिया में संपादक संवाददाता न्यूज़ रिपोर्टर न्यूज़ रीडर उप संपादक रेडियो जॉकी एंकर इत्यादि के रोजगार भी उत्पन्न हो रहे हैं। हिंदी गाने एवं फिल्में पूरी दुनिया में देखें और सुने जाते हैं जाते हैं और यही वजह है कि दूसरे देशों के लोगों का भी लगाओ हिंदी भाषा सीखने में काफी बढ़ता जा रहा है।

आज बॉलीवुड के एक्टर और एक्ट्रेस को दूसरे देशों के लोग भी अच्छी तरह से पहचानते हैं और उन्हें यहां की फिल्मों को देखना भी काफी पसंद है। पुरी दुनिया से लोग हिंदी सीखने के लिए रुचि दिखाते हैं। जब पूरा देश विभिन्न भाषाओं और सभ्यताओं के साथ में अस्तित्व में हो और वहां पर किसी एक राष्ट्रभाषा के रूप में चुनना हो तो यह काफी कठिन बन जाता है। इसीलिए हिंदी को पूरे देश भर में राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता दी गई।



गुरु

शिक्षक हैं शिक्षा का सागर, शिक्षक बांटे ज्ञान बराबर, शिक्षक मंदिर जैसी पूजा, माता-पिता का नाम है दूजा, प्यासे को जैसे मिलता पानी. शिक्षक है वही जिंदगानी, शिक्षक न देखे जात-पात, शिक्षक न करता पक्ष-पात, निर्धन हो या हो धनवान, शिक्षक को सब एक समान!



सिद्धी चौहान 11 बी

सच बोलो

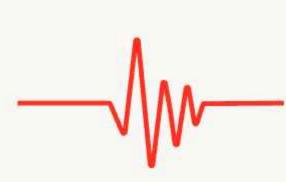
जब भी अपना मुँह खोलो सच बोलो बस सच बोलो सच बोलो मीठा बोलो झूठ बोलना कभी नहीं कभी न कहना अभी नही मेहनत करते जाओगे आगे बढ़ते जाओगे सबसे अच्छे बनकर तुम जग मे नाम कमाओगे



मैथिली उरकुडे कक्षा 8वीं



कल एक झलक ज़िंदगी को देखा, वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी, फिर ढूँढा उसे इधर उधर



वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी, एक अरसे के बाद आया मुझे क़रार, वो सहला के मुझे सुला रही थी हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा हैं एक दूसरे से मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी, मैंने पूछ लिया- क्यों इतना दर्द दिया कमबख़्त तूने,



वो हँसी और बोली- मैं ज़िंदगी हूँ...... _तुझे जीना सिखा रही थी.....

> विधि मेश्राम 11 बी

प्रकृति

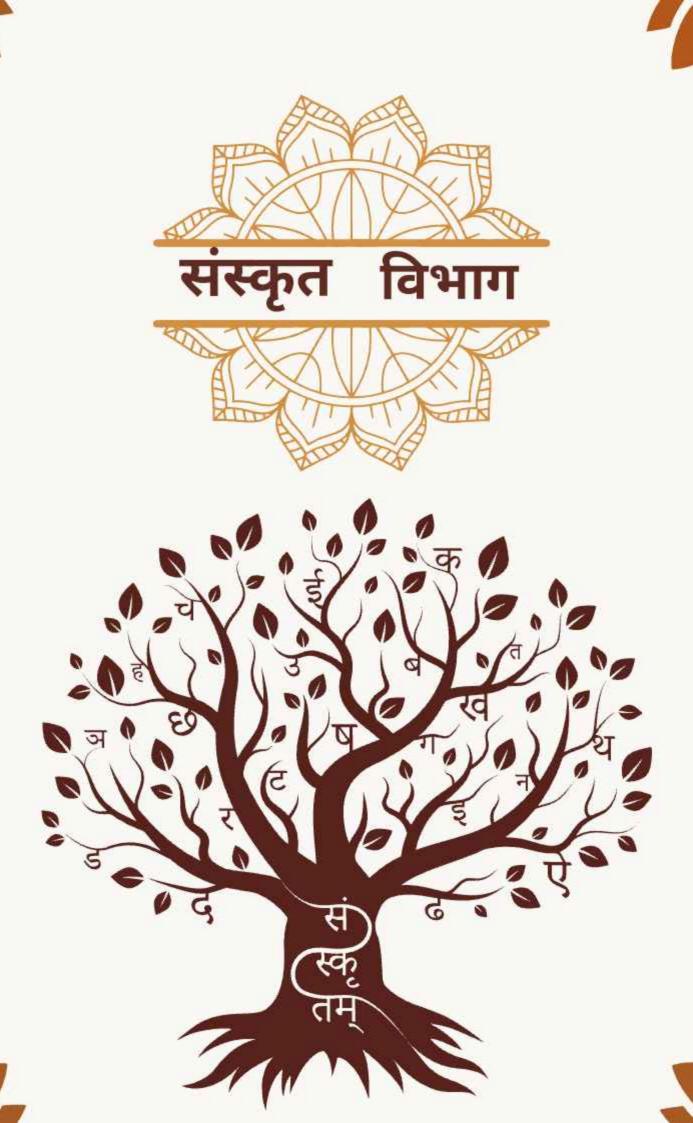
हरी-हरी खेतों में बरस रहे हैं बूंदें ख़ुशी –ख़ुशी से आया सावन भर गया मेरा आँगन। ऐसा लग रहा है जैसे मन की कलियाँ खिल गयी वैसे



ऐसा कि आया बसंत लेके फूलों का जश्न॥
धूप से प्यासी मेरे तन को बूंदों ने दी ऐसी अंगड़ाई
कूद पड़ा मेरा तनमन
लगता है मैं हूँ एक दामन॥
यह संसार है कितना सुन्दर
लेकिन लोग नहीं उतने अकलमंद
यही है एक निवेदन
न करो प्रकृति का शोषण॥॥



स्वरांशी कक्षा 7 वी स



प्रयुक्ति

भवतः अतीत विस्मरतु त्वं स्वयमेव विश्वससि भवतः अतीत विस्मरतु त्वं स्वयमेव विश्वससि भवतः श्व स्वयमेव परिवर्तते त्वं केवलं अद्यत्वे परिश्रमं करोषि

हिन्दी अनुवाद

प्रेरणा भूल जा अपने बीते कल को तू खुद पर विश्वास कर भूल जा अपने बीते हुए कल को तू खुद पर विश्वास कर तेरा आनेवाला कल खुद ब खुद बदलेंगा तू बस मेहनत कर अपने आज पर



खुशी सप्तमी 'स'

अनुशासनम्

अनुशासनस्य अस्माकं जीवने अतिमहत्वम्अस्ति। अनुशासनम् शब्द 'अनु' उपसर्गपूर्वक 'शासनम् शब्देन निर्मितं अस्ति।

अस्य अर्थमस्ति – शासनस्य अनुसरणम् । अतः नियमानां पालनं नियन्त्रणं स्वीकरणं वा अनुशासनम् कथ्यते। जीवनस्य

प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे कतिपयानां नियमानां पालनं आवश्यक वर्तते। प्रातः शीघ्र जागरणं नियमितव्यायामं, नियमेन

स्वकार्य करणं, कार्य प्रति पूर्णसमर्पणं अनुशासित जीवनस्य अंगानि सन्ति । प्रकृत्याः सृष्ट्याः वा मूलोऽपिअनुशासनं

दृश्यते। प्रकृत्याः नियमाः शाश्वताः, ध्रुवाः च सन्ति। पृथ्वी, ग्रहाः, नक्षत्रः, सूर्यः, चन्द्रः, आदयः च सर्वे अनुशासने बद्धाः

सन्ति। शरीरस्य आरोग्याय यथा संतुलितं भोजनं अपेक्षते तथैव राष्ट्रस्य समाजस्य च उत्थानाय अनुशासनं अपेक्षते।

छात्राणाम् कृते अनुशासनस्य बहुमहत्वम् अस्ति, यदि छात्राः ध्यानेन पठेयुः, अनुशासनस्य पालनं कुर्युः तर्हि भविष्ये

जीवनस्य प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे साफल्यं प्राप्तुं शक्यन्ते ।



प्रतीक्षा ओंकार घरत दशमी स

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले



सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरे

विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम्

अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अद्यतः

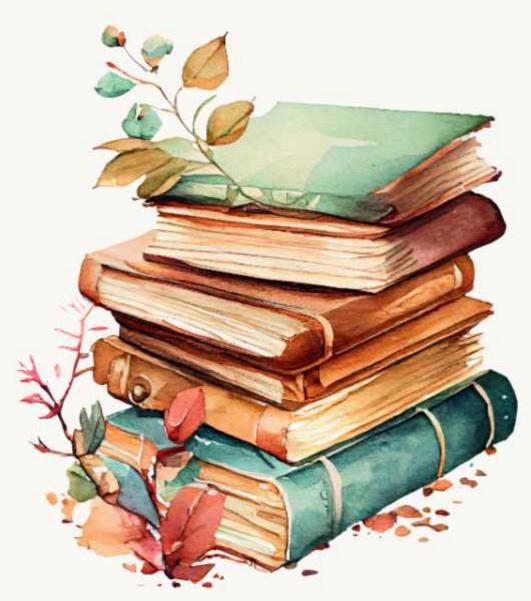
सहस्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति । अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति ।



काव्यांश गौरव दसवीं अ







A Teacher's Reflection

Here's a personal reflection as a teacher of English who has been teaching at Kendriya Vidyalaya....

Stepping into the classroom at Kendriya Vidyalaya each morning feels like entering a world brimming with untapped potential, where the echoes of countless stories yet to be written dance in the air. Teaching English in this bustling hub of knowledge has been nothing short of a riveting journey – one that intertwines the realms of language, literature, and profound learning.

In the vibrant tapestry of young minds that grace my classroom, I've witnessed the marvels of language taking shape. The initial days often present a mosaic of eagerness, curiosity, and sometimes a tad bit of apprehension. However, the magic begins to unfold as the syllables of Shakespeare, the prose of Dickens, and the verses of Wordsworth find resonance among my students.

The key to igniting their passion for the English language lies not only in textbooks but in the art of storytelling. Tales of adventure, mystery, and even snippets from everyday life serve as the foundation upon which the love for language is built. I recall the day when we delved into the pages of "To Kill a Mockingbird" and witnessed their eyes light up with empathy and understanding.

*Yet, teaching English isn't confined to the pages of literature alone.

It's about bridging cultures, fostering creativity, and nurturing critical thinking. Through discussions on global issues, analyzing diverse perspectives, and encouraging debates, we carve a path for holistic growth.*

The classroom, a microcosm of the world, is a melting pot of ideas, beliefs, and dreams. It's here that I've learned the art of patience, the power of adaptability, and the beauty of mutual respect. Each student brings a unique hue to the canvas of education, and it's in this blend of personalities that the true essence of teaching English lies.*

Challenges? Oh yes, they come in various forms from grappling with grammar intricacies to helping students decipher the nuances of poetry. But these challenges are the stepping stones towards growth, both for me as a teacher and for my students as avid learners.

Every day in Kendriya Vidyalaya unveils a new chapter in this saga of teaching. It's in the laughter that echoes through the corridors, the gleam of excitement when a new concept is grasped, and the pride that beams from a well-crafted essay that I find the truest joys of being an English teacher.

As the pages turn and the semesters transition, the journey remains ever-evolving. For in this world of education, there's always a new story waiting to be unraveled, a fresh perspective waiting to be explored, and a plethora of words waiting to paint the canvas of young minds.*

*As the sun sets on another fulfilling day, I carry with me the stories, the laughter, and the unspoken connections forged in the pursuit of nurturing minds.

For in Kendriya Vidyalaya, teaching English isn't just about imparting knowledge; it's about fostering a lifelong love affair with language and literature. And so, as I leave the classroom each day,

I carry with me the whispered hopes and dreams of my students, a constant reminder that teaching isn't just a profession it's an art, a privilege, and an unending adventure



Priti Wankhede TGT English

BEAUTIFUL THINGS

BEAUTIFUL FACES are those that wear-It matters little if dark or fair-Whole-souled honesty printed there.

Beautiful eyes are those that show, Like crystal panes where hearth fires glow, Beautiful thoughts that burn below.

Beautiful lips are those whose words Leap from the heart like songs of birds, Yet whose utterance prudence girds.

Beautiful hands are those that do

Work that is honest and brave and true,

Moment by moment the long day through.

Beautiful feet are those that go On kindly ministries to and fro, Down lowliest ways, if God wills it so.

Beautiful shoulders are those that bear Ceaseless burdens of homely care With patient grace and daily prayer.





Silent rivers of happiness, Whose hidden fountains but few may guess.

Beautiful twilight at set of sun,
Beautiful goal with race well won,
Beautiful rest with work well done.

Beautiful graves where grasses creep,
Where brown leaves fall, where drifts lie deep
Over worn-out hands-oh! Beautiful sleep!

Jaskiran Kaur 11th C (2023-24)



DON'T GIVE UP

->>>>>

You keep on going

And never stop.

You can If keep on going

You can make it to the top.

Lite is full of mountains.

Some are big and some are small.

But if you don't give up.

You can overcome them all

So keep on going

Pay not to stop.

When you keep on going

You can make it to the top.









Those were the days

Playing in the garden
Careless and free
Just like a monkey
Hanging under the tree

Those were the days
When I had no fear
I still remember the scold
When at night I ate a pear



Now I really miss those days
When I roamed down the street
Where no one could judge me
Or tell me how I looked
And gave me an advice as a treat

I still remember the day
When I jumped on the moving cart
Landing straight into the hay
And I laughed with an open heart

I still remember the time
I wanted to grow fast
I wanted to be an adult
But now I want to be that child again
And I want those days back



~JidnyasaKuthe 10th

Captain Vikram Batra

The day of 9th September was very bright A fighter was born Who was a soldier very tight. Himachal Pradesh was the state of pride Because it had a lion inside Vikram Batra was his name Who was never defeated in any game A lion loudly roar With his victory on the bravery shone His life was sacrificed fighting war Leaving his family behind In the love of nation he was blind Where he converted impossible into possible And showed that I'm possible The country he served Gave him the respect he deserved We will always keep his memories preserved He was the reason the tricolour waved As for the victory he was craved Captain Batra was having all this wounds and scars As he was a shining like a star The Kargil was very difficult to fought As the countrymen thought Never had he cared about his wounds



Where enemy can get a weakness found He was a true patriot Who love his motherland with his blood and remained all this beyond As he died on 7th July The country drowned in cry He fought till his last breathe He was the luckiest person he believed As he martyred over his country He gradually moved towards the lap of mother India gently The Kargil even cried Seeing a hero died We will remember his selfless deeds To fulfil our safety needs Captain Batra was honoured by

To fulfil our safety needs
Captain Batra was honoured by
The PARAM VEER CHAKRA
The country was filled with joy
The bliss of immortality his soul would enjoy
He would have died hundreds of times
To make his countrymen survive
This was his Supreme Sacrifice

Composed by Arya Dube IX A

HOW CURRENCY NOTES ARE MADE?

Currency notes are meticulously crafted using a blend of cotton paper. This unique material ensures both durability and security.

- 1. Cotton Paper Composition:
- o Currency notes are made from a special blend of materials: 75% cotton and 25% linen.
- o This cotton-linen mixture forms the base for crafting our banknotes.
- 2. The Manufacturing Process:
- o Paper Sheets: First, sheets of this cotton-linen paper are produced either within the country or abroad.
- o Simonton Machine: These paper sheets are then fed into a specific machine called a Simonton.
- o Colouring: The currency notes receive their distinctive



Printing Process in India:

India has four banknote presses strategically located across Dewas (Madhya Pradesh), Nashik (Maharashtra), Salboni (West Bengal), and Mysore (Karnataka).

> VAIBHAVI TANDEKAR 11 th B

India, My Motherland!!

How great is my motherland, full of different rituals, culture and religion, Full of diversity and different vision.

Jammu and Kashmir holds the Himalayas that are so great,

They are priceless and have no rate.

Gujarat have its own embroidery art,

And the navratri and garba in their part.

The state in East are like play mates,

And are called seven sisters although they are states.

Kerala is famous for kathakali dance,

And everyone wishes to visit if they got a chance.

Western Ghat have a large forest with many animals, birds and trees It is a door to greenery which can be opened without keys.

A land with sand and whether that is too hot,

It is the Great Indian Desert which is filled with cactus plants and dates a lot.

So diverse is my motherland,

But still United like fingers in a hand!

Composed by: Saumya Thakur 9A Tagore house





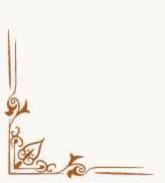
This is the year of G-20, G-20, and G-20 We are celebrating G-20, G-20 and G-20 The guest countries are 19 are 19 are 19.

The states are celebrating 15, 15 and 15
G-20 was found on 26 September 1999, 1999
We are celebrating G-20, G-20 and G-20.

India is very happy, happy, and happy
Because of G-20 G-20 and G-20
We are celebrating G-20 G-20 and G-20.

Students are making activities, activities, and activities
About G-20 G-20 and G-20
We are celebrating G-20 G-20 and G-20

Shruti Thakare VI A Tagore House





It was all good to start my boxing journey with Kendriya Vidyalya Sangathan when I was in II standard I started my practice in boxing. I was highly inspired by watching boxing television. In my first state level boxing championship this was the beginning of a new chapter in my life. Observing my talent in boxing my teachers and family encouraged me to work harder and to put efforts in the field of boxing. My teachers and family motivated to continue my practice at my home. Under the guidance of my father my continued my boxing practice during Covid-19 lockdown. When I was in class VIII, I got chance to represent KV Kamptee in the rings and was selected for KVS National Boxing championship held at Punjab. My experience of KVS National Boxing Champion 2023 was full of excitement which was held in Agra. I was fortunate to be escorted by my sports teacher shr. Dinesh Chhapane as he himself is a renowned boxing coach. I got to learn a lot from this experience. This championship was just like a school to improve my boxing skills as I got opportunity to fights bouts with talented and dynamic boxers form different regions of Kendriya Vidyalaya Sangathan.

This championship also gave me opportunity to make new friends. I could like to take this opportunity to request all my school mates that KV Kamptee provides you with excellent sporting facilities and you should utilize them by participating in various games and sports enthusiastically which will not only make them physically and mentally strong but will also develop their personality.

At last I would like to extend my sincere gratitude to respected Principal Sh. J.K. Ramteke Sir, Vice Principal Sh. Yatendra Kumar Sir, Head Mistress Smt. Nanda Ingole Madam, Sports Teacher Sh.Dinesh Chhapane Sir and all the staff of PM SHRI KV Kamptee for their motivation and blessings.



(ANANT DESHMUKH)
KVS National Boxer



THREE THINGS TO RESPECT OLD AGE, REGION, LAW THREE THINGS TO LOVE PURITY, HONESTY AND HARD WORK THREE THINGS TO ADMIRE BEAUTY, INTELLECT AND CHARACTER THREE THINGS TO CULTIVATE COURAGE, CHEERFULNESS AND CONTENTMENT THREE THINGS TO MAINTAIN PROMISE, FRIENDSHIP AND AFFECTION THREE THINGS TO CONTROL TONGUE, TEMPER AND TEMPTATION



ANSH KANOJIYA VII A





LITTLE DROPS OF WATER LITTLE DRAINS OF SAND MAKE AND MIGHTY OCEAN AND THE BEAUTELOUS LAND. AND THE LITTLE MOMENT HUMBLE THROUGH THEY BE MAKE THE MIGHTY AGES OF ETERNITY SO OUR LITTLE ERRORS LEAD THE SOUL AWAY FROM THE PATHS OF VIRTUE IN TO SIN TO STRAY. LITTLE DEEDS OF KINDNESS, LITTLE WORDS OF LOVE, MAKE OUR EARTH AN EDEN LIKE THE HEAVEN ABOVE.



BUSHRA ERAM



Nature, a mother to us all!

Nature, a mother to us all
Like a strong wall,
Yet filled with beauty
Thinking of nothing but her duty

Oh! The lovely paradise So beautifully visualized Created so gracefully By Nature.

Filling the world with colour and life
Coming in all forms
From creepers to trees
And flowers to thorns

Reassuring the needy and weak
Encouraging the strong to become stronger
Helping those who for her help seek
With the small charms that can work wonders

Composed by: Kanak Wankhede Class: 10th B

Teenage

Teenage is like adventurous book,

In which there is happiness and sorrow we can look.

Sometimes happy and sometime sad,

It's the confusing filling that in childhood you never had.

People says you are so change now,

And we think I myself don't know how Parents ask

So many questions

They don't listen to us many times,

One request to all please listen to us sometimes

Childrens smokes and drinks from this time

I think it's the worst crime teenage maybe hard but

Its Life one phase,

It will go to have happy days..

You may wrong be tempted to go wrong way

Listen to the elders what they have to say



Anshika Bansod 10th B





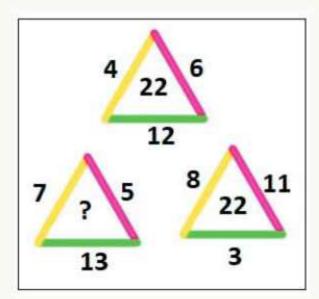
A Soldier

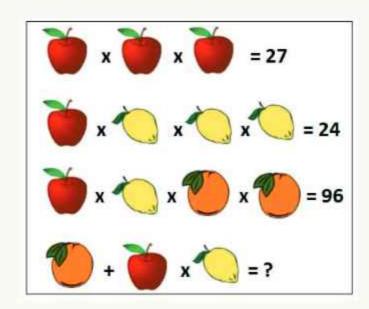
A soldier is a strong man who dares on the border to stand. The one who loves his motherland he is who only sacrifices on sand. The danger that are faced by a soldier there cannot be forgotten by anyone ever. To give his life he has no fear. His sacrifice is saluted everywhere He is not afraid of dying in war Living away from family so far Sacrificing and struggling the soldier is He is the country's real courageous star For country's welfare, efforts he takes Complete the target of protecting the nation he makes For protecting us every second

he spends his immortal sacrifice which never ends.

By: Samik Haider IX C

??????





				63	=		=	
		=		=				=
84	÷	-	=					13
		+		×				×
56		20	-		=	11		3
=						=		
		6				5	=	
×		=		=		+		=
1	-		=	4				23
		÷		÷				+
12	+		=	36				





Riddles

1. Riddle: What has to be broken before you can use it?

Answer: An egg

2. Riddle: I'm tall when I'm young, and I'm short when I'm

old. What am I?

Answer: A candle

3. Riddle: What month of the year has 28 days?

Answer: All of them

4. Riddle: What is full of holes but still holds water?

Answer: A sponge

5. Riddle: What question can you never answer yes to?

Answer: Are you asleep yet?

6. Riddle: What is always in front of you but can't be seen?

Answer: The future

7. Riddle: There's a one-story house in which everything is yellow. Yellow walls, yellow doors, yellow furniture. What

color are the stairs?

Answer: There aren't any—it's a one-story house.

8. Riddle: What can you break, even if you never pick it up or touch it?

Answer: A promise

9. Riddle: What goes up but never comes down?

Answer: Your age

10. Riddle: A man who was outside in the rain without an umbrella or hat didn't get a single hair on his head wet. Why? Answer: He was bald.

> Sameer I.khan 9 th C



A Story

A baby camel once asked her mother why they had humps, round hooves, and long eyelashes. The mother explained that the humps could store water, the rounded hooves were to help them walk through the desert, and the long eyelashes protected their eyes from sand. The baby thought over this and then asked her mother if they have all these qualities for the desert, why are they in a zoo? The mother was dumbfounded.

Moral: Your strengths and skills are of no use in the wrong place.



Harjaap Singh IX C

Unleashing Creativity: The Vibrant World of Art at Kendriya Vidyalaya Kamptee

Introduction:

Welcome to the captivating world of art at Kendriya Vidyalaya Kamptee where creativity knows no bounds and imagination takes flight. Our school has been a hub of artistic expression, providing a platform for students to explore, create, and showcase their talents. In this article, we delve into the diverse realms of art that make our school a vibrant and inspiring community.

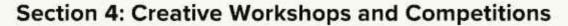
Section 1: Visual Arts

At Kendriya Vidyalaya Kamptee, the walls echo with the colorus of creativity. The Visual Arts department has been fostering budding Picassos and Van Goghs who transform blank canvases into masterpieces. From stunning paintings to intricate sculptures, our students explore various mediums, allowing their imaginations to come to life. The annual art exhibition showcases the exceptional talent nurtured within our school, leaving visitors in awe of the artistic prowess that flourishes within our halls.

Section 3: Literary Arts

For those who find solace in words, Kendriya Vidyalaya Kamptee provides a haven for literary enthusiasts. The Literary Arts club is a space where budding poets, storytellers, and wordsmiths converge to explore the power of language. The school magazine itself is a testament to the rich tapestry of voices within our community. From thought-provoking essays to whimsical short stories, our literary artists weave tales that captivate and inspire.

9



In addition to regular classes, Kendriya Vidyalaya Kamptee hosts creative workshops and competitions that fuel the spirit of innovation. These events provide students with the opportunity to learn new techniques, collaborate with peers, and challenge their creative boundaries. Whether it's a photography workshop, a poetry slam, or a design competition, our students actively engage in these activities, fostering a culture of continuous learning and artistic exploration.

Conclusion:

At Kendriya Vidyalaya Kamptee, the world of art is not just a subject; it's a way of life. Through visual, performing, and literary arts, our students discover the power of self-expression and the joy of creating something truly unique. As we celebrate the artistic endeavours of our school community, we look forward to nurturing even more creativity in the years to come. Here's to the endless possibilities that unfold when imagination takes centre stage!

Lagna jeet Mohanty Class IX C



Don't Quit

When things go wrong, as they sometimes will When the road you're trudging seems all uphill When funds are low and the debts are high and you want to smile but you have to sigh When all is pressing you down a bit-

Rest if you must,
but don't you quit
Success is furled inside out
The silver tint the clouds of doubt

and you can never tell how close you are
It's may be near when it seems far.
So stick to fight when you're hardest hit
It's when things go wrong that you must not quit....

Charu A. Wasnik 6th A Ambedkar House



Rise up!

Come on!

Get up,

You have to smile,

Coz no one cares

How bad it was, ago a while.

Come on!

Get up,

You have to make them happy,

Not by passion

Or they'll get angry.

Come on!
Get up,
You have to get tired,
As you are not meant to be hired.

Come on! Get up,



Let's win those wars, Coz nobody's gonna count your scars.

Come on! Get up,



You gotta get those grades, You know, as always, for you No one waits.

Come on!
Get up,
You have to shine bright,
Just like the stars

That lights the sky at night!

By: Hamdiya Fatema X – A

FRIENDS

My friends are so funny,
We all love to eat honey.
We are not a front benchers,
But also not a back benchers.
We love to read and write,
But also to play and fight.
Everyone says that we are quite,
But no one knows how we talk lot at night.
We complete our homework in a group,

We eat together in lunch,
With a chocolaty munch.
In our group everyone is funny

In classroom under a roof.

Like a bunny
One is so serious,
One is so silly.
One is singer,
One is dancer.
One is artist and,
One is smarter.



Our friendship will go up,
Until it ends up.
But we know,
We all are the best.

Khushi Balkote 7th C





THE INVENTION OF EYEBALL

Before you Read

This is a story about a thoughtful and creative scientist. She wanted to be an artist but became scientist. She has invented an artificial organ. Now she is inventing an artificial eyeball. There once lived a kind girl in Kamptee, Nagpur. She was very creative in art and everyone used to call her artist due to her marvelous art work. As day's passes. She improvesher artwork. Along these she hasn't tried clay modeling. Tanu said "you have such some art skills that I believe you can become a sketch artist as you have given your best most in the drawings and sketches". "But I have to improve my drawings and sketches" said Vaibhavi. "I heard that you have got prize in Kalautasav competition?" She said "Yes, I have made a universe galaxy a got first prize". After some days when she is standing in the balcony, thinking something. Suddenly someone knocked the door. When she opened the door there was a post man. Handing her a gift and a letter.

"Who send me this gift?" She said. As she opened the gift she got amazed! "Mommy, mommy look! I have got a chance to go Pune, free of cost". After she come back from Pune she thought I didn't start clay modelling. As she saw many practice videos. She understood the mechanisms of clay modelling. As she getting older she is getting more interest in that. As doing this all she become master in clay modelling. And after lots of hard work she made a real looking human model with every part of body. Then her model achieved Guinness World Records.

Now she started taking orders, and earning money from teenage. "Where is my phone? It's ringing, if didn't find it quickly so my order will be cancelled!" She cries. "Oh no! Call has declined" She said sadly. In the evening when she is talking to her mother about that order. The bell rings and her father entered sadly, she asked "Why you are so sad papaji? What is the matter?". "Nothing, but I lost my job and now have to find another job" her father told her. "Doesn't matter; you will find another job. Until you find your new job we will work hard" said her mother. Vaibhavi has to leave her art and now has to do study and work. Every time when she returns from college she helps her parent. As days passes she is growing up and taking coaching. She has interest in science. She is preparing for BSC. She studies till midnight and sleep over four hours per day. As she is intelligent, smart, caring and hardworking she ranked first in whole Nagpur.

Then she became a scientist. Everyone is demotivating her that what you will get from it. Ignoring these and researching on body organs and tissues. Trying to make body organ artificial. After lots of researching she finely found it "Mommy! Mommy! Look I finely made it!" Screaming with joy here and there. She has invented artificial with real tissue kidney! This information spread all over world.

One day, she was looking worried. Her mother asked "What happened my dear? Any problem? Please tell me. "Mommy I can't able to make eyeball as it's so complex, it is very hard to make" she said. "You have made a real human body with clay. Have a look out on it" her mother said. As following her mom's instruction, she found solution and research more and more on it, learning concepts she finely invented an artificial but sclera human eyeballs! She never stops inventing and now planning to make a real human!

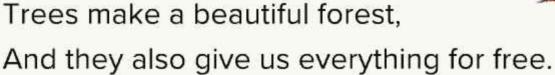
VAIBHAVI ARVIND BAGHELE 7TH C

TREES

Trees are for birds to build nests in.

Trees are for people to sit under.

Trees give us oxygen and food, And they also give us wood.



There are many games to play with trees, And they also give us everything for free.

Trees are very important in our life, And without them we can't stay alive.



By – Moumita Ghosh Class – VII B



TREES

I think that I shall never see A poem lovely as a tree.

A tree whose hungry mouth is Prest against the earth's sweet flowing breast;

A tree that looks at god all day And lifts her leafy arms to pray,

A tree that may in summer wear A nest of Robin's in her hair,

Upon whose bosom snow has lain,

Who intimately lives with rain.

Poems are made by fools like me, But only God can make a tree.



Simar shende Class-7 th 'A'



Education is the most powerful weapon which you can use to change the world

- Nelson Mandela

As a student, it's important to have aim in life and to acquire all possible

-Khushi Kalyankar

Don't stop when you are tired Stop when you are done.

- Anant Deshmukh 9 th B





Soldiers

Unless you have been a soldier,

You just won't understand

The things that we have seen and done,

In service of our land.

We have trained to live in combat,

To cope with awful sights

They should be seen by anyone,

And keep you awake at nights

We don't discuss the wounds we have

To the body and the mind

We just put our hurts behind us,

And turn our memories to blind

We are proud we served our country,

And remember those we lost,

For the freedom you have today,

They paid the awful cost.



Harmeet Kuke

7A



Friendship

Friendship is one of the most precious gifts of life,

Friend are those who help you and enjoy, understand you.

We know many people in our life but not all are friend

Friend is that person who understands you more than you do.

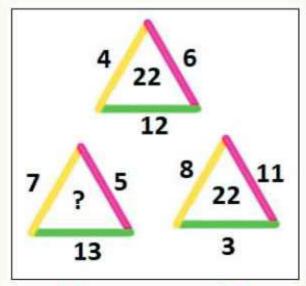
Friends should be chosen carefully,

Because good friend leads us to good
path.

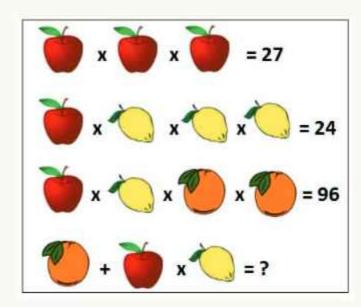
And bad on wrong path.



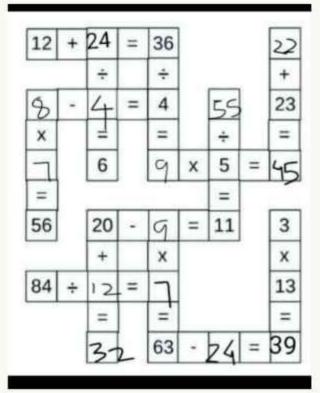
Mayank Yadav 7th A

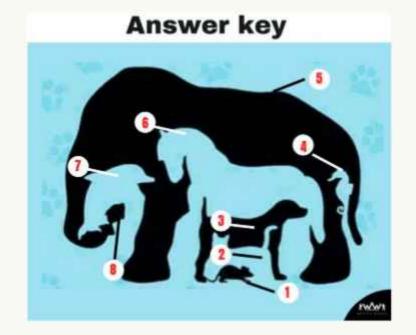


Answer-25



Answer-10







Answer - 3

Mahatma Gandhi



[] Mahatma Gandhi taught us to become the change that we
wish to see in the world.
$\hfill \square$ Bapu preached that the best way for one to find
themselves is to lose themselves in the service of others.
The name of Gandhi is one of the most universally
recognized names on earth.
Gandhi was the leader of the Dandi March to bring anti-
colonial nationalism to the India citizen challenging the
british imposed salt tax.
Gandhiji called the quit India movement against the
British in the year 1942.
He did many movements for the independence of India.
Mahatma Gandhi is our father of the nation.
🛘 In India, Mahatma Gandhi was affectionately called
Bapu and Gandhiji.

Falgunee Pande 7th

THE JOURNEY OF MAHARAJ BAGH



When I was in class 4 my class went to
Maharaj Bagh zoo for a school picnic. We
went there by bus. We all enjoyed a lot. There
were lots of animals like tiger, birds, deer,
monkeys etc. We all friends bought different
dishes. We played different games like outout. Then we came back to school. It was a
memorable journey.

- Tanmay Hinge 7th



Mother

My mom is very caring

Also little bit of rude

She is very curious

Also little bit of cute

She is a teacher

She loves Maths

She hates science

Because it mad

She is very excited

When there is a gift for her

I want everyone to say

God bless her



- Aradhya Yadav



STUDENT LIFE

Student life is the best part of student's life. A student learns many things from books but he has to enter the real world after the student life is over. So, he needs practical knowledge of things. Student life lead a man to live a successful life. In fact, student life is a life for learning. A student learns morality and good manners. He understands the value of discipline in life. So, student life is a period of making and preparation to be a responsible citizen. Student life is a care free life. Its life of joy. A student is free from the all cares of the world. He gets a different atmosphere from the college. He takes part in game and sports. He goes sometimes on a picnic and sometimes on an educational trip. A student life is a small world of his school and college, the life of a student is therefore, is a golden period of life.

Student life is a life of discipline at home a student may behave well but boldly. But the atmosphere of school, college is completely different. Good student are loved and praised. Wick student are punished. All student have to obey some rules and teacher thus they learn discipline. Discipline makes them selfless and teacher them.

Live and let live.



-Saraansh 9B

The Rebel

When everybody has short hair the rebel lets his hair grow long upon everybody has long hair. The rebel cuts hair short. When everybody talks during the lesson the rebel doesn't say a word. When everyone talks during the lesson the rebel creates a disturbance. Who everybody wears a uniform, the rebel dresses in fantastic clothes, the rebel dresses orderly. In the company of dog lovers, the rebel expresses a reference for cats. In the company of cat lovers, the rebel puts in a good word for dogs. When everybody is praising the sum the rebel remarks on the need for rain, when everybody is greeting the rain, the rebel regrets the absence of sum. When everybody goes to meeting the rebel says at home and reads a book, the rebel goes to the meeting when everybody says, yes please, the rebel says, no thank you, when everybody says, no thank you. Yes, please. It is very good that we have rebels, you may not find it very good to be one.

> Maharshi Vishwakarma Class – 9 th B



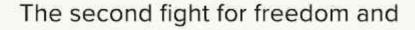
The Second American Revolution

A political tsunami in our land.

As citizen wake up and take a stand.

The second revolution has begun;

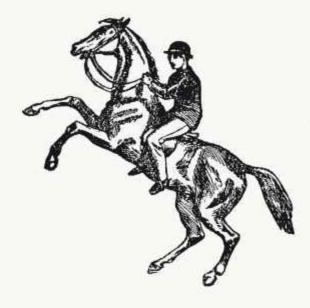
We won't give up until our cause is won



Our rights to keeping the establishment up nights.

We won't put up with tyranny anymore;

If they won't listen, we'll allow them the door.



- Anant Deshmukh 9B





To many thoughts once through my mind

Like a crowd of people running frantic in a burning

Each one giving a reason to be afraid success will only come to be.

Once the reasons are made into nonsense,

And those fears are overcome through great accomplishment.

But failure is impossible, and must be, if the individual puts full effort into dousing the fire



Gomesh Bagade 10th B

HAPPINESS

Happiness, such a funny little word For some it comes so easy;



For others the idea seems absurd

We spend our lives chasing it.

One way or another, through many fame,



religion or the embrace the love,

But all those goals and futile and deep down

We know it's true.

Because in the end,

You own the happiness.

It has to come from you.



Mayank Yadav 7 th A



"DON'T BE MEAN, JUST BE GREEN"

The environment is the fundamental source of all possible existence on planet Earth. However, over the recent years, the environment has been exploited excessively because of which the environmental conditions are becoming worse day by day. Pollution of air, water and land, mining, industrialisation, modern urbanisation, deforestation, release of chemical effluents and landfills are some of the major factors that cause the gradual deterioration of the environment. It is necessary to conserve the environment in order to protect wildlife and to preserve the different species. With the disastrous pace of climate change, a result of pollution and exploitation of the environment, finding out ways to protect the environment from any further damage should be the first priority. Bringing back the environment to its original state is critically important and is the only solution.

Working towards a common goal will be the easiest and fastest way to keep the environment from any more harm. According to Ban Ki-moon, "Saving our planet, lifting people out of poverty, advancing economic growth... these are one and the same fight. We must connect the dots between climate change, water scarcity, energy shortages, global health, food security and women's empowerment. Solutions to one problem must be solutions for all". This is what we have to act on and look forward to – finding the dots, connecting them and providing solutions.

The leaders of the world are working to reduce the rapid degradation of the environment, and there are organizations like the United Nations who come up with initiatives to create awareness and get people to take actions to curb the problems of the environment. Some of these initiatives include the 2019 Sustainable Development Summit, 2019 Climate Action Summit, 2030 Agenda for Sustainable Development, Paris Agreement and many other programs that include river conservation, afforestation, coastal management, wetland conservation and so on. While all these measures are in action, individuals are also obliged to take steps to preserve the environment that everyone is a part of. With everyone's efforts, we can be sure that all of it will definitely make a difference and help the environment in becoming healthy and sustainable.

"ONE EARTH ,
ONE CHANCE ,
MAKE EVERY DAY ,
AN EARTH SAVING DAY " A





नवभारत

सिटी के बॉक्सर चमके

■ नागपुर, नगर प्रतिनिधि. आगरा (यूपी) में आयोजित 52वीं केंद्रीय विद्यालय राष्ट्रीय खेलकुद प्रतियोगिता के तहत वाक्सिंग स्पर्धा में सिटी के प्रतिभाशाली बॉक्सरों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. लड़कों के अंडर-17 आयुवर्ग में केवी, अजनी के सार्थक भट ने 80 प्लस किया वजन वर्ग में, केवी कामठी के अनंत देशमुख 57-60 किया, जबकि केवी वायुसेनानगर के अखिलेश मिश्रा ने अंडर-14 आयु वर्ग में चुनौती पेश की. इनमें सार्थक और छपाने और बॉक्सिंग कोच गणेश पुरोहित अनंत ने रजत पदक जीता, जबकि अखिलेश को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. खिलाड़ियों को क्रीड़ा शिक्षक दिलीप



का मार्गदर्शन प्राप्त है. सभी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, प्राचार्य व शिक्षकों को दिया.

Negpur Edition 08-november-2023 Page No. 5 epaper.enavabharat.com





